साथनिया म्हारी रात को सपनो तो म्हाने यू आयो लिरिक्स

साथनिया म्हारी रात को,
सपनो तो म्हाने यू आयो।bd।

सपनो आयो ए सखी,
देख्यो एक लंगूर,
तोड़ दिया सब रुखड़ा,
कर दिया चकनाचूर,
मैं या साची जानी,
छोटो सो बंदर यो लंका जला जासी,
साथणिया म्हारी रात को,
सपनो तो म्हाने यू आयो।bd।

अब लंका सारी जल,
दिखे ज्यूँ समशान,
घर घर हाहाकार मची,
रुधन करे तमाम,
थे या साची जानो,
सपना की बाता तो साची हो जासी,
साथणिया म्हारी रात को,
सपनो तो म्हाने यू आयो।bd।

सेतु बांध कर आसी पिया,
आसी श्री जगदीश,
शरण विभीषण राखसी,
पिया कटसी तुम्हारौ शीस,
थे या साची जानो,
बाता ही बाता में कबीलो कट जासी,
साथणिया म्हारी रात को,
सपनो तो म्हाने यू आयो।bd।

सपनो साची होवसी,
पिया सुन रावण मेरी बात,
जाकर देवो जानकी,
पिया जोड़ दोनों हाथ,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

थे या साची जानो,
सारि लंका को दुखड़ो तो सारो मिट जासी,
साथणिया म्हारी रात को,
सपनो तो म्हाने यू आयो।bd।

बजरंग मंडल यू कहे,
सुनो सभी चित लाय,
बिना विचारे जो करे,
सो पाछे पछताय,
थे जूठी मत जानो,
लंका को राजा विभीषण हो जासी,
साथणिया म्हारी रात को,
सपनो तो म्हाने यू आयो।bd।

साथनिया म्हारी रात को,
सपनो तो म्हाने यू आयो।bd।

स्वर – सत्यनारायण जी लुहार।
प्रेषक – भेरू शंकर शर्मा।
9460405693
चारभुजा साउंड जोरावरपुरा

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com